E
Batch - 2020- 2023

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी

परीक्षा : दिसंबर – २०२३

द्वितीय वर्ष

सत्र – ३

विषय : आधुनिक काव्य (भाग –१) (HDS - 301)

दि.: २१/१२/२०२३ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो. १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'कामायनी' महाकाव्य की सर्ग योजना पर प्रकाश डालिए ।

प्र. २ 'कामायनी' महाकाव्य में चित्रित चरित्रों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ३ 'कामायनी' महाकाव्य के कथा के आधारों का विवेचन कीजिए ।

प्र. ४ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य संशयों का काव्य है – पठित काव्य के आधार पर उपर्युक्त विधान को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य में चित्रित राम के मन के संशयों का विवेचन कीजिए ।

प्र. ६ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य में चित्रित समस्याओं पर सविस्तार प्रकाश डालिए ।

प्र. ७ 'कामायनी' महाकाव्य में चित्रित प्रकृति तथा प्रलय वर्णन को रेखांकित कीजिए ।

प्र. ८ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य के आरंभ और अंत पर अपने विचार लिखिए ।

प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स–संदर्भ व्याख्या कीजिए ।

१. नीचे जल था ऊपर हिम था,
एक तरल था एक सघन ।
एक तत्व की ही प्रधानता,
कहो उसे जड़ या चेतन ।

२. हम अन्य न और कुटुंबी
हम केवल एक हमी हैं,
तुम सब मेरे अवयव हो,
जिस में कुछ नहीं कमीं है ।

३. लंका यदि ध्रुव पर भी होती
तो भाग नहीं पाती बंधु !
लक्ष्मण के पौरुष से ।

४. किंतु युध्द दायित्व है,
किसी भी पीढ़ी के लिए
दायित्व है, आवेश नहीं ।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१) आनंद सर्ग

२) 'कामायनी' उद्देश्य

३) विभीषण का चरित्र

४) दशरथ और जटायू की छायाएँ ।